D·El·Ed 2nd sem

15 May 2020
Friday

भारतीय विचारक (Indian Thinkers)

भारतीय विचारकों का शिक्षा में योगदान ↓

शैक्षिक दर्शन की दृष्टि से 'विश्व' में 'भारत' का स्थान सबसे ऊपर है। दर्शन का 'मुख्य आधार गीता' को माना गया है। गोस्वामी तुलसीदास को 'रामचरितमानस' तथा 'श्रीमद्भगवद् गीता' शिक्षा के वास्तविक आधार है। यही कारण है, कि भारत भूमि में शैक्षिक विचारों की एक लम्बी श्रृंखला ने जन्म लिया है, इनमें "विवेकानन्द, टैगोर, महात्मा गाँधी, डॉ० राधाकृष्णन् तथा गिजु भाई का नाम" उल्लेखनीय हैं।

स्वामी विवेकानन्द (1863 - 1902)

जन्म — 12 जनवरी सन् 1863 बचपन का नाम — नरेन्द्रनाथ।
पिता — श्री विश्वनाथ दत्त (वकील) भाषा का ज्ञान — अंग्रेजी, बंगला।
प्रभावित — रामकृष्ण परमहंस से।
देहान्त — 1902।

विवेकानन्द के शैक्षिक सिद्धान्त ↓

1 ⇒ व्यावहारिक प्रशिक्षण देना।
2 ⇒ छात्र सर्वांगीण विकास।
3 ⇒ निरक्षर लोगों को शिक्षित करना।
4 ⇒ व्यक्ति के विचार एवं आचरण में समन्वय।

शिक्षा के उद्देश्य ↓

1 ⇒ चारित्रिक विकास का उद्देश्य।
2 ⇒ इच्छा शक्ति को सबल बनाना।
3 ⇒ त्याग की भावना का विकास।
4 ⇒ नैतिक विकास का उद्देश्य।

गुरु-शिष्य सम्बन्ध ↓

⇒ गुरु को महत्वपूर्ण स्थान।
⇒ गुरु के लिए तीन बातें आवश्यक —
- चरित्रवान होना चाहिए।
- अपने विषय का ज्ञाता।
- पितृवत व्यवहार करना।

Scanned with CamScanner

विवेकानन्द के अनुसार जीवन के शाश्वत सिद्धान्त

=> आत्मा की अमरता।

=> कृतज्ञता एवं विनम्रता का आचरण करना।

=> माता-पिता एवं गुरु का सदैव ऋणी होना।

=> जीवन में कर्तव्य / कर्म करना (कष्ट उठाकर भी)

=> परमात्मा की सत्ता पर अटूट विश्वास।

=> सबके प्रति मैत्रीभाव।

=> प्राणीमात्र में परमात्मा के दर्शन करना।

~ End

Scanned with CamScanner